कानपुर, सोमवार, 19 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 21, पृष्ठः 8+4
प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड रिटायर कर्नल ने योगी के लिए बनवाया आसन...>Pg12
कानपुर मेट्रो के पहले कॉरिडोर का निर्माण कार्य पूरा...> Pg03

मूल्यः 2 ₹

उत्तर भारत में भूकंप की हलचल

लेह में 5.7 तीव्रता के झटके

दिल्ली-हरियाणा के बाद लद्दाख में कांपी धरती, 171 किमी गहराई में था केंद्र

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो,

नई दिल्ली। उत्तर भारत में सोमवार को भूकंपीय गतिविधि दर्ज की गई। पहले दिल्ली-हरियाणा में हल्के झटके महसूस किए गए, इसके कुछ घंटे बाद लद्दाख के लेह क्षेत्र में मध्यम श्रेणी का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, लेह में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.7 रही। झटके सुबह 11:51 बजे महसूस किए गए, जबकि भूकंप का केंद्र धरती की सतह से करीब 171 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

प्रारंभिक रिपोर्टों में जानमाल या संपत्ति के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। लेह-लद्दाख हिमालयी भूकंपीय बेल्ट में आता है, जहां समय-समय पर भूकंप दर्ज होते रहते हैं। एहतियातन स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें अलर्ट मोड पर हैं। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है, क्योंकि गहरे भूकंप के बाद आफ्टरशॉक की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

इससे पहले सोमवार सुबह दिल्ली में भी हल्के झटके महसूस किए गए। NCS के मुताबिक सुबह 8:44 बजे दिल्ली में 2.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज हुआ, जिसका केंद्र उत्तर दिल्ली क्षेत्र में और गहराई लगभग 5 किलोमीटर थी। कम तीव्रता के कारण किसी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं मिली, हालांकि कई इलाकों में लोगों ने झटके महसूस किए।

विशेषज्ञों की राय दिल्ली भूकंपीय दृष्टि से सिस्मिक जोन-4 में आती है, जिसे देश की दूसरी सबसे संवेदनशील श्रेणी माना जाता है। बीते वर्षों में दिल्ली-एनसीआर में 4 तीव्रता तक के कई भूकंप दर्ज किए गए हैं। आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में दिल्ली में 5 से अधिक तीव्रता का कोई बड़ा भूकंप नहीं आया, लेकिन आसपास के क्षेत्रों खासकर हरियाणा में आए झटकों का असर दिल्ली तक महसूस होता रहा है।

- प्रशासन अलर्ट, अभी तक फिलहाल नुकसान की कोई सूचना नहीं
- दिल्ली सिस्मिक जोन-4 में, विशेषज्ञों ने सतर्कता बरतने की सलाह दी

- लेह में 5.7 तीव्रता, केंद्र 171 किमी गहराई
- दिल्ली में सुबह 2.8 तीव्रता के हल्के झटके
- कोई नुकसान नहीं, प्रशासन सतर्क
- विशेषज्ञों ने सामान्य सतर्कता बरतने की अपील की

पहली बार चांदी तीन लाख रुपए किलो, सोना भी उछला

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। फ्रंट द्वारा ग्रीनलैंड पर लगाए गए टैरिफ के बाद वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं ने बाजार की दिशा बदल दी है। इस अनिश्चित माहौल में निवेशकों ने जोखिम भरे निवेश विकल्पों से दूरी बनाते हुए सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया, जिससे कीमती धातुओं की कीमतें ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई हैं।

- ग्रीनलैंड टैरिफ से हिला वैश्विक बाजार, सोना-चांदी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची
- महज 10 दिनों में सोना 8,150 रुपया और चांदी 53,500 रुपए हुई महंगी

सोमवार को घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 1,47,950 प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि चांदी ने भी जबरदस्त उछाल के साथ 2,96,500 रुपए प्रति किलोग्राम का नया शिखर छू लिया। इससे पहले 8 जनवरी 2026 को सोना 1,40,200 और चांदी 2,43,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी।

इस प्रकार केवल 10 दिनों के भीतर सोने में 8,150 और चांदी में करीब 53,500 रुपए की तेज़ी दर्ज की गई है। बाजार जानकारों के मुताबिक यह तेजी केवल घरेलू मांग तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर में कमजोरी, वैश्विक तनाव और टैरिफ युद्ध की आशंकाओं ने सोने-चांदी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अखिल भारतीय स्वर्णकार विकास परिषद के अध्यक्ष पुष्पेंद्र जायसवाल का मानना है कि यदि मौजूदा हालात बने रहते हैं तो आने वाले समय में सोना 2,00,000 प्रति 10 ग्राम और चांदी 6,00,000 प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है। जिन निवेशकों ने पहले ही सोना-चांदी में निवेश कर रखा था, उन्हें इस तेजी से बड़ा लाभ मिला है।

एटा में दिनदहाड़े ट्रिपल मर्डर से दहशत

रिटायर्ड डॉक्टर, पत्नी और बहू की बेरहमी से हत्या, पोती गंभीर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में सोमवार को दिनदहाड़े हुए एक खौफनाक तिहरे हत्याकांड ने पूरे शहर को हिला कर रख दिया। कोतवाली नगर क्षेत्र के नगला प्रेमी मोहल्ले में अज्ञात हमलावरों ने एक ही परिवार के तीन सदस्यों की बेरहमी से हत्या कर दी, जबकि परिवार की एक युवती गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस ने भारी बल के साथ मोर्चा संभाल लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगला प्रेमी निवासी सेवानिवृत्त नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. गंगा सिंह यादव (75) के घर पर सोमवार को हमलावरों ने धावा बोला। हमले में डॉ. गंगा सिंह यादव, उनकी पत्नी श्यामा देवी (70) और पुत्रवधू रत्ना (42) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उनकी पौत्री ज्योति (20) गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

फोरेंसिक टीम व डॉग स्क्वॉड जांच में जुटे, पुलिस सभी एंगल से कर रही पड़ताल

इस जघन्य वारदात का खुलासा उस वक्त हुआ जब डॉ. गंगा सिंह यादव का नाती देवांश स्कूल से घर लौटा। घर के दरवाजे खुले देख उसे शक हुआ। अंदर जाते ही उसने खून से सने शव पड़े देखे। यह मंजर देख वह चीखता हुआ बाहर भागा, जिसके बाद मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड घटनास्थल पर पहुंचे। पूरे घर को सील कर साक्ष्य जुटाए गए। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल हत्याकांड के पीछे की वजह साफ नहीं हो सकी है। पुलिस लूट, रंजिश और पारिवारिक विवाद समेत सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्धों से पूछताछ जारी है।दिनदहाड़े हुए इस तिहरे हत्याकांड ने एटा में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

निजीकरण के विरोध में नगर निगम में व्यापक कार्य बहिष्कार

नारेबाजी करते नगर निगम कर्मचारी

- नगर निगम सेवाओं के निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों का व्यापक कार्य बहिष्कार
- मोतीझील स्थित नगर निगम मुख्यालय पर सैकड़ों कर्मचारियों का धरना-प्रदर्शन
- सफाई व्यवस्था, रविस विभाग की गाड़ियां और कूड़ा कलेक्शन निजीकरण के दायरे में
- नगर निगम कार्यालयों और सभी जोन कार्यालयों में कामकाज ठप, सन्नाटा पसरा
- निजीकरण को कर्मचारी-विरोधी बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग
- फेस अटेंडेंस व्यवस्था और सुबह 5 बजे ड्यूटी लागू करने पर तीखा विरोध
- हर माह 5 तारीख तक वेतन न मिलने को लेकर कर्मचारियों में भारी नाराज़गी
- संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति के बैनर तले हुआ आंदोलन
- वरिष्ठ नेता किशनलाल सुदर्शन के नेतृत्व में धरना, रमाकांत मिश्र ने किया संचालन
- जलकल चालक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार ने आंदोलन को दिया समर्थन
- मांगें न मानी गईं तो आंदोलन और तेज करने की चेतावनी
- वार्ता नहीं होने पर प्रशासन को जिम्मेदार ठहराने का ऐलान

» नगर निगम मुख्यालय मोतीझील में धरना प्रदर्शन कर कर्मचारी नेताओं ने किया विरोध

» नगर निगम कार्यालय में दिखा सन्नाटा, सरकार से टकराने के लिए तैयार दिखे कर्मचारी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम प्रशासन द्वारा सफाई व्यवस्था, रविस विभाग की गाड़ियों और कूड़ा कलेक्शन सहित सेवाओं के निजीकरण के विरोध में नगर निगम कर्मचारियों ने तय तिथि के अनुसार कार्य बहिष्कार कर दिया। नगर निगम संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति के बैनर तले सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी नगर निगम मुख्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। साथ ही नगर निगम के विभिन्न जोन कार्यालयों में भी कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी रहा।

प्रदर्शन में शामिल कर्मचारियों ने निजीकरण की प्रक्रिया को कर्मचारी विरोधी बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। कर्मचारियों ने फेस अटेंडेंस व्यवस्था, सुबह 5 बजे ड्यूटी लागू करने और प्रत्येक माह 5 तारीख तक वेतन न मिलने जैसे मुद्दों पर भी तीखा विरोध दर्ज कराया।

धरने की अगुवाई वरिष्ठ नेता किशनलाल सुदर्शन ने की, जबकि आंदोलन का संचालन रमाकांत मिश्र ने किया। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से हरिओम वाल्मीकि, सी एल बड़ेल, मुन्ना हजारिया, उस्मान अली, राहुल भारती, पिंटू चौधरी, मोरध्वज वाल्मीकि, रमेश चंद्र शुक्ला, अजीत बाघमार, कमरुद्दीन, हरिशंकर शुक्ला, सुमिंद्र कुमार, आदेश शुक्ला, धीरज वाल्मीकि, नरेश सागर, मुकेश कुमार, जयपाल सिंह, सतीश कुमार, मुन्ना गंगोत्री सहित बड़ी संख्या में नगर निगम कर्मचारी मौजूद रहे।

संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि नगर निगम प्रशासन ने कर्मचारियों की जायज मांगों पर शीघ्र वार्ता कर समाधान नहीं किया,

तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

समाचार लिखे जाने तक नगर निगम मुख्यालय और जोन कार्यालयों पर कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी था। नगर निगम जलकल चालक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार ने भी समर्थन करते हुए कहा कि कर्मचारियों का शोषण नहीं होने देंगे।

नहीं खुले आफिसों के ताले

कानपुर मेट्रो का पहला कॉरिडोर तैयार 26 जनवरी से ट्रायल रन की शुरुआत

आईआईटी कानपुर से नौबस्ता तक बना यह मेट्रो कॉरिडोर लगभग 23.8 किलोमीटर लंबा है

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के यातायात इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। कानपुर मेट्रो के पहले कॉरिडोर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। आईआईटी कानपुर से नौबस्ता तक बना यह मेट्रो कॉरिडोर लगभग 23.8 किलोमीटर लंबा है। इस रूट पर कुल 21 स्टेशन बनाए गए हैं, जिनमें 14 एलिवेटेड और 7 अंडरग्राउंड स्टेशन शामिल हैं।

मेट्रो प्रशासन के अनुसार कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता सेक्शन पर 26 जनवरी तक ट्रायल रन शुरू किए जाने की तैयारी है। ट्रायल रन के दौरान मेट्रो ट्रैक, सिग्नल सिस्टम, कोच, पावर सप्लाई और सुरक्षा मानकों की तकनीकी जांच की जाएगी।

यह मेट्रो कॉरिडोर शहर के प्रमुख क्षेत्रों जैसे कल्याणपुर, रावतपुर, गोविंद नगर, किदवई नगर और नौबस्ता को आपस में जोड़ेगा।

मेट्रो के संचालन से शहर में यातायात का दबाव कम होगा, समय की बचत होगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि मेट्रो सेवा शुरू होने से कानपुर के व्यापारिक, औद्योगिक और शैक्षिक क्षेत्रों को नई गति मिलेगी। आईआईटी कानपुर, अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों और बाजारों तक आवागमन पहले से कहीं अधिक आसान होगा।

कानपुर मेट्रो के ट्रायल रन को लेकर शहरवासियों में खासा उत्साह है। ट्रायल सफल रहने के बाद जल्द ही आम जनता के लिए मेट्रो सेवा शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे कानपुर आधुनिक शहरी परिवहन व्यवस्था की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाएगा।

22 लाख कीमत के 75 खोए मोबाइल बरामद

स्वराज इंडिया न्यूज

- मोबाइल के मालिकों को बुलाकर उन्हें दिए गए, खिले चेहरे

कानपुर। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर डीसीपी साउथ के मार्गदर्शन में सर्विलांस टीम ने खोए मोबाइल फोनों की तलाश अभियान चलाकर नगर व आसपास के जिलों से करीब 75 मोबाइल फोन बरामद किए। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 22 लाख रुपये बताई जा रही है।

बरामद किए गए सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए। लंबे समय बाद अपना खोया मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पुलिस की कार्यशैली की खुलकर प्रशंसा की।

डीसीपी साउथ दीपेन्द्र नाथ चौधरी के मुताबिक सर्विलांस तकनीक और टीमवर्क के जरिए यह सफलता मिली है। आगे भी खोए मोबाइलों की बरामदगी के लिए अभियान जारी रहेगा, ताकि आमजन का पुलिस पर भरोसा और मजबूत हो सके।

ऐतिहासिक गंगा मेला 10 मार्च को, निकलेगा रंगों का ठेला

- अनुराधा नक्षत्र में मनाया जाता है देश-प्रसिद्ध गंगा मेला, आज़ादी के दीवानों की याद में होता है आयोजन

स्वराज इंडिया, कानपुर

कानपुर का ऐतिहासिक गंगा मेला इस वर्ष 10 मार्च को परंपरागत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। कानपुर हटिया होली मेला महोत्सव कमेटी के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र विश्नोई ने बताया कि गंगा मेला अनुराधा नक्षत्र में मनाने की सदियों पुरानी परंपरा है। यह होली पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान और ऐतिहासिक महत्व के कारण प्रसिद्ध है।

अनुराधा नक्षत्र में यग गंगा मेला मनाने की परम्परा वर्षों से चली आ रही है। इस बार अनुराधा नक्षत्र 10 मार्च को पड़ रहा है। रज्जन पार्क हटिया से रंगों का ठेला निकलेगा, जो कई क्षेत्रों में रंग बरसाते हुए चलेगा। बिरहाना रोड पर मटकी फोड़ कार्यक्रम भी हर साल आकर्षण का केन्द्र रहता है। गंगा मेला पर कानपुर में धार्मिक आस्था और लोक परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। गंगा मेला के अवसर पर शहर के विभिन्न हिस्सों में यात्राएं, पारंपरिक रंग-गुलाल, लोकगीत, ढोल-नगाड़े और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। सरसैया घाट पर गंगा मेला में विशेष रौनक रहती है, जहां लोग सामूहिक रूप से एक-दूसरे को गुलाल लगाकर भाईचारे का संदेश देते हैं। मेला कमेटी अध्यक्ष ज्ञानेंद्र विश्नोई ने कहा कि ÷गंगा मेला केवल पर्व नहीं, बल्कि कानपुर की आत्मा और स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति है। नई पीढ़ी तक इसके इतिहास और मूल्यों को पहुंचाना हमारा उद्देश्य है। कुल मिलाकर, कानपुर का गंगा मेला इतिहास, आस्था और सांस्कृतिक गौरव का ऐसा संगम है, जो हर वर्ष शहर को देशभक्ति और उल्लास के रंगों से सराबोर कर देता है।

स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है गंगा मेला

गंगा मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि ब्रिटिश राज के दौर में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी एक जीवंत विरासत है। इतिहासकारों के अनुसार, अंग्रेज़ी हुकूमत के समय जब होली खेलने पर पाबंदियां लगाई जाती थीं, तब कानपुर के क्रांतिकारियों और देशभक्तों ने होली के बाद गंगा मेला आयोजित कर आज़ादी के जश्न और एकजुटता का संदेश दिया। यही परंपरा आज भी पूरे गौरव के साथ निभाई जाती है।

नाबालिगों की रफ्तार बनी सड़क का खौफ, कई वाहन रौंदे

नमक फैक्ट्री के पास तेज रफ्तार कार ने तीन बाइक और एक कार को मारी टक्कर

» कार छोड़कर फरार हुए नाबालिग, पुलिस ने शुरू की तलाश

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।कानपुर में नाबालिगों के हाथों में वाहन सौंपने की लापरवाही एक बार फिर सड़क पर खौफ बनकर सामने आई। रावतपुर क्षेत्र में नमक फैक्ट्री के पास रविवार देर रात तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े कई वाहनों को रौंद डाला। हादसे के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई, जबकि कार सवार नाबालिग अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।

मौके पर क्षतिग्रस्त मिली कार

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रेनबो स्कूल के सामने अचानक आई तेज रफ्तार कार ने पहले सड़क किनारे खड़ी तीन बाइकों को जोरदार टक्कर मारी और फिर पास की दीवार से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आसपास मौजूद लोग सहम गए। हादसे में एक बाइक सवार युवक को हल्की चोटें आईं, जिसे मौके पर मौजूद लोगों ने प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। घटना के बाद स्थानीय लोगों के मौके पर पहुंचने तक कार में सवार दो किशोर वाहन वहीं छोड़कर फरार हो चुके थे। टक्कर में तीन बाइक और एक कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु कराया।रावतपुर इंस्पेक्टर मनोज मिश्रा ने बताया कि कार के नंबर के आधार पर नाबालिगों की पहचान की जा रही है। उनकी तलाश जारी है। वाहन मालिक सहित दोषियों के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नाबालिगों को वाहन सौंपने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शास्त्री नगर में हिंदू सम्मेलन संपन्न

» समाज संगठन और नारी शक्ति पर हुआ मंथन

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।शास्त्री नगर स्थित अखिलेश्वर मंदिर, ऊँचा पार्क में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का सफल संचालन शास्त्री नगर हिंदू सम्मेलन संचालन समिति द्वारा किया गया।कार्यक्रम में महंत बलराम दास (निर्मोही अखाड़ा, रामलला गोपाल मंदिर) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय कुमार शर्मा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में अरुण मिश्रा उपस्थित रहे। मातृ शक्ति वक्ता के रूप में श्वेता परमार एवं पारुल सिंह ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

इसके पश्चात हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। कार्यक्रम में भजन एवं राष्ट्रभक्ति गीतों की प्रस्तुति हुई, जिससे वातावरण भक्तिमय एवं राष्ट्रभाव से ओतप्रोत हो गया।अपने संबोधन में महंत बलराम दास ने हिंदू समाज को संगठित रहने तथा अनुशासित जीवन अपनाने का आह्वान किया। श्वेता परमार ने हिंदू समाज में नारी शक्ति की भूमिका और वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। पारुल सिंह ने भारतीय इतिहास में नारी शक्ति के योगदान की जानकारी देते हुए उपस्थित जनसमूह को प्रेरित किया।मुख्य वक्ता अरुण मिश्रा ने संघ की अब तक की यात्रा तथा भविष्य के पंच परिवर्तन संकल्प के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के समापन पर भारत माता की आरती की गई। इसके बाद उपस्थित जनसमूह ने सावधान मुद्रा में खड़े होकर पूर्ण वंदेमातरम् का उत्साहपूर्वक गायन किया। सम्मेलन की समाप्ति के पश्चात सैकड़ों लोगों ने चाय एवं खिचड़ी के सहभोज में सहभागिता की। संयोजक बलदेव सिंह रहे।

सेंट्रल स्टेशन पर तीन शराब तस्कर दबोचे गए

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी टीम ने अवैध शराब तस्करी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरपीएफ इंस्पेक्टर एसएन पाटीदार, इंस्पेक्टर जीआरपी ओम नारायण तथा इंस्पेक्टर आरपीएफ सीआईबी अजीत तिवारी के मुताबिक हैरिसगंज पुल के पास से गिरफ्तार ये तीनों लोग अंतर्राज्यीय शराब तस्कर हैं। उनके पास से 5 पिट्ठू बैग और एक प्लास्टिक बोरी में 598 बोतल अवैध शराब बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियो में अनिकेत कुमार यादव, राकेश कुमार यादव, निवासी खगड़िया (बिहार) व ज्योतिष कुमार यादव, निवासी बेगूसराय (बिहार) है। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे कानपुर से सस्ते दामों पर शराब खरीदकर ट्रेन से बिहार ले जाकर अधिक कीमत पर बेचते थे।

डॉक्टर आलोक यादव तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

भूमि एवं जल संरक्षण प्राविधिक एसोसिएशन कानपुर के द्विवार्षिक अधिवेशन में डॉक्टर आलोक यादव को दिलाई गई शपथ

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कृषि भवन में आयोजित भूमि एवं जल संरक्षण प्राविधिक एसोसिएशन कानपुर के द्विवार्षिक अधिवेशन एवं चुनाव में डॉक्टर आलोक यादव को 3 बार लगातार निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

चुनाव प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

चुनाव में विश्वदीप सोनी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हरि गोपाल यादव सचिव, कोमल कुमार संगठन सचिव तथा अनुराग यादव को कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

चुनाव अधिकारी की भूमिका राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कानपुर देहात के जिलाध्यक्ष महेश प्रसाद गुप्ता ने निभाई।

नव निर्वाचित पदाधिकारियों को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के प्रदेश संगठन मंत्री एवं जिला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने शपथ दिलाई।

अधिवेशन में मंडलीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद, पूर्व अध्यक्ष कश्मीर सिंह, वीरेन्द्र कुमार, योगेन्द्र यादव, मयंक पटेल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणधीर सिंह, मंत्री इंजीनियर कोमल सिंह, संप्रेक्षक मंजूरानी कुशवाहा, चेयरमैन संघर्ष समिति सहाब सरताज एवं कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र अवस्थी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अध्यक्ष पद पर पुनः निर्वाचित होने पर डॉक्टर आलोक यादव ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

सम्पादकीय

रोजगार सृजन से संभव विकसित भारत का संकल्प

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है, जिसमें गत दिसंबर में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.8 फीसदी होने की बात कही गई है। भारत दुनिया में युवाओं के देश के रूप में जाना जाता है। लेकिन हम इस युवा शक्ति का भरपूर उपयोग राष्ट्र विकास में नहीं कर पा रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि देश के शहरी क्षेत्र में पंद्रह वर्ष से अधिक आयुवर्ग के युवाओं में बेरोजगारी की दर गांवों के मुकाबले ज्यादा है। जहां शहरों में यह प्रतिशत बढ़कर 6.7 फीसदी हुआ है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र में यह 3.9 फीसदी स्थिर है। हाल ही के वर्षों में बेरोजगारी देश में बड़ा मुद्दा रहा है, जो भारत जैसे विकासशील देश के हित में नहीं है। किसी भी अर्थव्यवस्था में विकास दर तभी सार्थक होगी, जब रोजगार के नये मौके उपलब्ध हो रहे हों। नीति-नियंताओं को आत्ममंथन करना होगा कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था में रोजगार के नये अवसर क्यों नहीं बन रहे हैं। सरकारें सुनिश्चित करें कि युवाओं को देश की तरक्की में योगदान देने का अवसर मिले। यदि बेरोजगारी की दर बढ़ रही है तो इसके मायने हैं कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में नौकरी के मौके बढ़ नहीं रहे हैं। कहा जा रहा है कि औद्योगिक क्षेत्रों में एआई और डिजिटलीकरण के चलते भी नौकरियां घटी हैं। तो क्या हम इस चुनौती के लिये अपने युवाओं को तैयार कर रहे हैं?

निश्चित रूप से देश के नीति-नियंताओं को मंथन करना चाहिए कि 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्किल इंडिया' जैसे अभियानों के जमीनी परिणाम उत्साहवर्धक क्यों नहीं हैं? युवाओं की कौशल विकास कार्यक्रमों में भागीदारी के बावजूद रोजगार के मौके क्यों नहीं बढ़ रहे हैं? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था समय के साथ कदमताल नहीं कर पा रही है? विडंबना यह भी है कि बढ़ती आबादी के बावजूद सरकारी क्षेत्र की नौकरियां कम हो रही हैं। युवाओं की शिकायत होती है कि सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया में तमाम तरह की विसंगतियां व्याप्त हैं। वे परीक्षा प्रणाली पर भी सवाल उठाते रहे हैं। निस्संदेह, बढ़ती बेरोजगारी हमारे विकास के मापदंडों पर भी सवाल खड़ी करती है। निश्चित रूप से संतुलित आर्थिक विकास की सार्थकता के लिए जरूरी है कि देश में प्रति व्यक्ति आय बढ़े तथा आर्थिक असमानता भी दूर हो। तेज विकास दर के साथ लोगों के जीवन में खुशहाली भी आनी चाहिए। रोजगार के अवसर बढ़ने से ही समाज में खुशहाली आ सकती है। जब देश में रोजगार के मौके बढ़ेंगे तो समाज में वास्तविक समृद्धि आ सकती है। रोजगार के अवसर बढ़ने से उत्पादकता बढ़ेगी और महंगाई पर नियंत्रण पाने में भी मदद मिलेगी।

निस्संदेह, बढ़ती क्रय शक्ति भी अर्थव्यवस्था को गति देती है। निर्विवाद रूप से बेरोजगारी कम किए बिना हम देश के सौ साल पूरे होने तक विकसित भारत का लक्ष्य मुश्किल से हासिल कर पाएंगे। हमें एआई व डिजिटल चुनौती के मुकाबले के लिए युवाओं का कौशल विकास तेज करना चाहिए। सरकारें सुनिश्चित करें कि युवाओं को देश की तरक्की में योगदान देने का अवसर मिले।

यदि बेरोजगारी की दर बढ़ रही है तो इसके मायने हैं कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में नौकरी के मौके बढ़ नहीं रहे हैं। निश्चित रूप से देश के नीति-नियंताओं को मंथन करना चाहिए कि 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्किल इंडिया' जैसे अभियानों के जमीनी परिणाम उत्साहवर्धक क्यों नहीं हैं? युवाओं की कौशल विकास कार्यक्रमों में भागीदारी के बावजूद रोजगार के मौके क्यों नहीं बढ़ रहे हैं? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था समय के साथ कदमताल नहीं कर पा रही है? विडंबना यह भी है कि बढ़ती आबादी के बावजूद सरकारी क्षेत्र की नौकरियां कम हो रही हैं। युवाओं की शिकायत होती है कि सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया में तमाम तरह की विसंगतियां व्याप्त हैं।दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था में रोजगार के नये अवसर क्यों नहीं बन रहे हैं।

सरकारें सुनिश्चित करें कि युवाओं को देश की तरक्की में योगदान देने का अवसर मिले।

यदि बेरोजगारी की दर बढ़ रही है

तो इसके मायने हैं कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में नौकरी के मौके बढ़ नहीं रहे हैं। कहा जा रहा है कि औद्योगिक क्षेत्रों में एआई और डिजिटलीकरण के चलते भी नौकरियां घटी हैं।

स्टार्टअप इंडिया-दस वर्षों की सफल यात्रा

प्रो. दिनेश चन्द्र राय

दस वर्ष पूर्व, जनवरी 2016 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप इंडिया अभियान की शुरुआत की, तब इसका उद्देश्य स्पष्ट था–देश में उद्यमिता को बढ़ावा देना, नवीन विचारों को प्रोत्साहित करना और रोजगार सृजन को गति प्रदान करना। आज, जब हम इस अभियान के एक दशक पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो यह स्पष्ट है कि यह पहल न केवल सफल रही है, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप का एक प्रमुख केंद्र बना चुकी है। विश्व में तीसरे स्थान पर पहुंच चुके भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में 2 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जिन्होंने 21 लाख से ज्यादा रोजगार पैदा किए हैं। इस सफलता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का योगदान उल्लेखनीय है, जो शिक्षा को उद्यमिता से जोड़कर युवाओं को सशक्त बना रही है। किंतु, भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए, इस अभियान को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने स्टार्टअप इंडिया को एक नई दिशा प्रदान की है। यह नीति शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन ला रही है, जहां बहु-विषयक शिक्षा, लचीलापन और व्यावहारिक कौशलों पर जोर दिया जा रहा है। युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को जागृत करने में यह नीति स्टार्टअप इंडिया की मजबूत सहयोगी साबित हो रही है।

लेखक के बारे में...प्रो. दिनेश चन्द्र राय, एक ख्यातिलब्ध खाद्यवैज्ञानिक और समर्पित शिक्षाविद्, प्रतिष्ठित बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी केसीनियर प्रोफेसर, वर्तमान में बी.आर.?अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के कुलपति के रूप में नेतृत्व प्रदान कर रहे है।

स्कूलों और महाविद्यालयों में व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा उद्यमिता शिक्षा को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। बच्चे प्रारंभिक स्तर से ही तकनीक, प्रबंधन और समस्या-समाधान जैसे कौशलों से परिचित हो रहे हैं। शिक्षा प्रौद्योगिकी (एडटेक) क्षेत्र के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है, जहां क्रेडिट प्रणाली के माध्यम से विविध शिक्षा को मान्यता मिल रही है। फलस्वरूप, एडटेक प्लेटफॉर्म्स की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, और युवा पारंपरिक नौकरियों के बजाय स्वरोजगार की ओर अग्रसर हो रहे हैं।इसके अतिरिक्त, एनईपी 2020 ने महाविद्यालयों में संस्थागत नवाचार परिषदों (आईआईसी) की स्थापना को प्रोत्साहित किया है। वर्ष 2025 तक 28 राज्यों में 16 हजार से अधिक ऐसी परिषदें कार्यरत हो चुकी थीं। ये परिषदें मेंटरिंग, हैकाथॉन और उद्योग साझेदारी जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दे रही हैं। भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) के अंतर्गत सभी संकायों को एक मंच पर लाकर अंतर-विषयक अध्ययन को सरल बनाया गया है, जो तकनीकी शोध के लिए अत्यंत उपयोगी है। अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के साथ तालमेल में यह नीति स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक विश्लेषणात्मक कौशलों का विकास कर रही है। एनईपी का लक्ष्य वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत युवाओं को उच्च शिक्षा से जोड़ना है, जिससे सक्षम युवाओं का एक विशाल समूह तैयार होगा। विशेष रूप से छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है, जहां अब स्टार्टअप की संस्कृति जड़ें जमा रही है। इस प्रकार, एनईपी 2020 ने शिक्षा को नवाचार का आधार बनाकर भारत को रोजगार सृजक राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पिछले दस वर्षों में स्टार्टअप इंडिया की यात्रा प्रेरणादायक रही है। वर्ष 2016 में जहां मात्र 500 से कम स्टार्टअप थे, वहीं वर्ष 2026 तक यह संख्या 2 लाख 9 हजार से अधिक हो चुकी है, जो प्रतिवर्ष 12-15 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। इस वृद्धि ने प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में 21 लाख से अधिक रोजगार सृजित किए हैं। प्रारंभिक निवेश 15 करोड़ डॉलर से बढ़कर 25 हजार निवेशकों के माध्यम से 350 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। परिणामस्वरूप, 118 यूनिकॉर्न कंपनियां अस्तित्व में आईं, जबकि वर्ष 2014 में इनकी संख्या मात्र चार थी। इस सफलता का श्रेय 10 हजार करोड़ रुपये के फंड ऑफ फंड्स को जाता है, जिसने 150 से अधिक वेंचर कैपिटल फंड्स के माध्यम से 1,270 स्टार्टअप को 22,900 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। वर्ष 2021 से प्रारंभ स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना ने 945 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो प्रारंभिक चरण की फंडिंग को सुगम बना रही है। साथ ही, कर छूट, श्रम एवं पर्यावरण नियमों में स्व-प्रमाणन जैसे उपायों ने व्यावसायिक वातावरण को सरल बनाया है।

इस अभियान की सफलता में समावेशिता का बड़ा योगदान है। महिलाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप की संख्या में वृद्धि हुई है, जो स्टार्टअप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एसवीईपी) और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) जैसी योजनाओं का परिणाम है। अब स्टार्टअप का प्रभाव महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी विस्तारित हो रहा है। घरेलू बाजार को मजबूत बनाकर भारत नवाचार का केंद्र बन चुका है। वर्ष 2025 में ही 49 हजार नए पंजीकरण हुए। एक उत्कृष्ट उदाहरण है देहात नामक कृषि प्रौद्योगिकी कंपनी, जिसे आईआईटी दिल्ली और आईआईएम अहमदाबाद के पूर्व छात्रों ने स्थापित किया। यह किसानों को फसल सामग्री, परामर्श, ऋण और बाजार पहुंच प्रदान करती है। मात्र तकनीक पर निर्भर न रहकर, देहात स्थानीय उद्यमियों के साथ साझेदारी करती है, सामुदायिक वितरण नेटवर्क स्थापित करती है और रसद संबंधी चुनौतियों का समाधान करती है। सबसे पहले, कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाएं–एक केंद्रीय एजेंसी गठित करें जो समन्वय सुनिश्चित करे और विलंब से बचाए। एनईपी 2020 से और अधिक तालमेल स्थापित करें–सभी महाविद्यालयों में उद्यमिता प्रशिक्षण अनिवार्य बनाएं, विद्यालयों और उद्योगों के बीच संबंध मजबूत करें ताकि शोध व्यावहारिक बने। पर्यावरण एवं सामाजिक लक्ष्यों वाले स्टार्टअप को प्रोत्साहन दें, जैसे सतत वित्तपोषण। अंत में, राज्य स्तर पर स्टार्टअप मूल्यांकन सहित आंकड़ों पर आधारित समीक्षा करें ताकि निरंतर सुधार हो।

संक्षेप में, स्टार्टअप इंडिया के प्रथम दशक ने एनईपी 2020 के सहयोग से भारत को उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बनाया है। 2 लाख से अधिक स्टार्टअप और अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव के साथ, भविष्य लचीली रणनीतियों पर निर्भर है जो कार्यान्वयन, समावेशिता और निरंतर नवाचार पर केंद्रित हों। इन प्रयासों से स्टार्टअप समान विकास को बढ़ावा देंगे और भारत को वैश्विक नेतृत्व प्रदान करेंगे।

लोकतंत्र में कानून ही लोक की अंतिम उम्मीद

न्यायपालिका की गरिमा

डा0 सुधीर कुमार

वर्ष के अंत में न्यायपालिका द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार और अरावली में खनन आवंटन पर पर्यावरण को सर्वोपरि मानकर विचार करने से जनता आश्वस्त हुई है कि भारतीय लोकतंत्र में अन्याय के प्रतिकार के मार्ग सदैव खुले रहते हैं।भारत की न्यायपालिका की परंपरा अत्यंत गरिमापूर्ण रही है। लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करते हुए उसने हाल के दिनों में भी वैसा ही आचरण किया है, जैसा एक स्वतंत्र न्यायपालिका से अपेक्षित होता है। किसी अधिनायकवादी देश में यह कल्पना भी कठिन है कि सर्वोच्च न्यायालय अपने ही निर्णय पर पुनर्विचार करे या निचली अदालत के आदेश को गलत मानकर उसमें संशोधन करे। भारत में यह संभव हुआ है, जो लोकतंत्र की मजबूती को दर्शाता है। यहां देर-सबेर जनता की आवाज सुनी जाती है। सरकारी फैसले, जो लोगों को पीड़ित, वरुद्ध या उन्हें आक्रोशित करते हैं, तो सरकार भी जनभावनाओं के अनुरूप अपने निर्णय बदलती है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की सच्ची पहचान और सामूहिक प्रगति का मार्ग है।हम यहां किसान आंदोलन की चर्चा नहीं करेंगे, जिसके बारे में सरकार ने उनके लंबे धरनों के बाद किए गए फैसले वापस ले लिए।

हम पंजाब यूनिवर्सिटी की बात भी नहीं करेंगे, जिसके संबंध में केंद्र ने पंजाबियों की भावनाओं को समझते हुए अपना फैसला बदल दिया। ऐसे में पंजाब यूनिवर्सिटी हमेशा की तरह पंजाब की शान बनी रही।नवीनतम फैसलों की चर्चा करें तो सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली पर्वत श्रृंखला में खनन से संबंधित अपने

पूर्व आदेश पर पुनर्विचार का निर्णय उल्लेखनीय है। न्यायालय को यह आशंका हुई कि खनन आवंटन और अरावली के संरक्षण के बीच संतुलन न बिगड़ जाए, इसलिए विशेषज्ञों से पुनः विचार कर नया फैसला देने का निर्णय लिया गया यह न्यायपालिका की पर्यावरणीय संवेदनशीलता और लोचशीलता को दर्शाता है। इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट के एक अन्य आदेश ने भारतीय लोकतंत्र में सबकी बात सुने जाने की गरिमा को पुनः स्थापित किया। यह मामला उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर से जुड़ा है, जिसकी जमानत को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। वर्ष 2017 के उन्नाव कांड में पीड़िता और उसके परिवार पर हुए अमानवीय अत्याचार, धमकियां और हिंसा ने पूरे देश को झकझोर दिया था। पीड़िता और उसके पिता ने न्यायालय से न्याय की गुहार लगाई। इसके पहले, बाहुबली ने लालच देकर उन्हें लोकलाज का भय दिखाकर चुप रहने के लिए दबाव डाला। इसके बाद पीड़िता के पिता को कुछ मामलों में फंसाकर हिरासत में रखा गया, उनकी मारपीट करवाई गई, और इसी कारण उनकी मृत्यु हो गई। इस बाहुबली ने 23 दिसंबर, 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत प्राप्त कर ली थी। दलील दी कि वह एक जनसेवक है और पहले ही इस मामले में पांच साल की सजा भोग चुका है। पीड़िता के भय का अंत नहीं हुआ, क्योंकि बाहुबली रिहा हो गया था। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगाकर सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि कानून से ऊपर कोई नहीं और पीड़ित के भय का अंत करना न्याय की मूल शर्त है।देशभर में इस फैसले का स्वागत किया गया, क्योंकि बाहुबली के सामने निर्बल पीड़ितों की आवाज सुनी गई। ऐसी घटनाएं केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था में ही संभव हैं। बार-बार यह सिद्ध हुआ है कि भारतीय लोकतंत्र अंततः अपनी गरिमा स्थापित करता है। यहाँ विपक्ष की आवाज सुनी जाती है और पीड़ितों व वंचितों के हितों पर ध्यान दिया जाता है। जातिगत जनगणना इसका उदाहरण है। लंबे समय से विपक्ष इसकी मांग कर रहा था, क्योंकि 2011 के बाद यह नहीं हुई थी। 2026 में प्रस्तावित जनगणना से पहले ही केंद्र सरकार ने स्वयं जातिगत जनगणना कराने का निर्णय ले लिया।भारतीय समाज एक खुला समाज है।

जब भी कोई त्रुटि या प्रवंचना सामने आती है, सरकार–चाहे कोई भी हो–उसका संज्ञान लेकर निर्णय बदलने से नहीं हिचकती। बल्कि अपने ही निर्णयों पर पुनर्विचार करने का साहस भी दिखाया। इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बनाया गया। संविधान के प्रति प्रतिबद्धता पर हाल के चुनावों में सत्ता और विपक्ष दोनों एकमत दिखाई दिए। वर्ष के अंत में न्यायपालिका द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार और अरावली में खनन आवंटन पर पर्यावरण को सर्वोपरि मानकर विचार करने से जनता आश्वस्त हुई है कि भारतीय लोकतंत्र में अन्याय के प्रतिकार के मार्ग सदैव खुले रहते हैं।

मकनपुर मेला: दरगाह पर चादरपोशी के साथ विश्वविख्यात मेले का आगाज

डीएम जितेंद्र कुमार सिंह ने किया उद्घाटन, दूर-दूर से जायरीन आए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। उत्तर भारत का प्रख्यात एवं ऐतिहासिक मेला मकनपुर विधिवत प्रारंभ हो गया। जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेंद्र प्रताप सिंह ने हजरत बदीउद्दीन जिंदा शाह मदार की दरगाह पर चादर चढ़ाकर मेले का औपचारिक उद्घाटन किया।

उद्घाटन अवसर पर एडीएम न्यायिक राकेश कुमार, डीसीपी आसिम कादिम, मेला अध्यक्ष डॉ. संजीव, मेला सचिव तहसील अनुभव चंद्रा एवं एसीपी मंजय सिंह ने जिलाधिकारी का स्वागत किया। चादरपोशी के बाद जिलाधिकारी ने फीता काटकर अस्थायी मेला तहसील का भी उद्घाटन किया।

इसके पश्चात जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों ने दरगाह परिसर स्थित संग्रहालय का अवलोकन किया और विजिटर बुक में हजरत मदार से जुड़े अपने भाव व्यक्त किए। उद्घाटन के साथ ही मेला समिति सक्रिय हो गई है। मेला संचालन एवं व्यवस्थाओं के लिए नौ सदस्यीय मेला समिति का गठन किया गया है।

इसमें ग्राम प्रधान मजाहिर हुसैन, निर्मल कुमार गुप्ता,नन्दलाल पाल अब्दुल फरीद पाशा, पूर्व प्रधान इमरान शिकोह, आनंद प्रकाश, सचिन गुप्ता समेत अन्य सदस्य शामिल हैं, जो मेला प्रशासन के साथ मिलकर व्यवस्थाएं संभालेंगे। मेला खजांची सुनील चौधरी ने बताया कि 22 जनवरी को ऑल इंडिया मुशायरा, 23 जनवरी को कवि सम्मेलन तथा 24 जनवरी की सुबह कुल की रस्म अदा की जाएगी। वहीं 24 जनवरी की रात को भव्य संगीत संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मेले के शुभारंभ से क्षेत्र में उत्सव का माहौल है और दूर-दराज से जायरीनों एवं श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया है।

व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद

मेला समिति के सदस्य नंदलाल पाल, दीपक श्रीवास्तव एवं इमरान शिकोह ने बताया कि इस वर्ष मेले की व्यवस्थाएं पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त की गई हैं। मेला तहसील की वर्षों से जर्जर पड़ी बाउंड्री को तहसील प्रशासन द्वारा पुनर्निर्मित कराया गया है। जायरीनों की सुविधा के लिए मेला समिति द्वारा अधिकतम इंतजाम किए गए हैं।

मेले के बाद संवरेंगे गेस्ट हाउस के दिन

मकनपुर स्थित मेला गेस्ट हाउस, जहां जिलाधिकारी का आवास भी रहता है, वर्तमान में टूटी हुई बाउंड्री और जर्जर छत के कारण बदहाल स्थिति में है। स्थानीय लोगों के अनुसार मेला समाप्त होने के बाद गेस्ट हाउस परिसर अक्सर अराजकतत्वों और नशेड़ियों का अड्डा बन जाता है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होते रहे हैं। खासतौर पर टूटी बाउंड्री के चलते बाहरी लोगों का परिसर में आना-जाना बना रहता है। मेला अध्यक्ष एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए मेला खजांची एवं राजस्व कर्मियों को बाउंड्री निर्माण सहित आवश्यक मरम्मत और सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि मेले के उपरांत गेस्ट हाउस की स्थिति में सुधार होगा और इसके दिन भी बहुरेंगे।

दरिया नेवादा टोल प्लाजा पर आयकर विभाग की लगातार जारी रही जांच

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

- कर चोरी की आशंका में 20 से अधिक अधिकारियों की टीम ने खंगाले रिकॉर्ड
- आय-व्यय और लेनदेन की गहन जांच, कर्मचारियों से घंटों पूछताछ

बिल्हौर (कानपुर)। कर चोरी की आशंका के चलते आयकर विभाग इंदौर की टीम द्वारा दरिया नेवादा टोल प्लाजा पर की गई छापेमारी की कार्रवाई रविवार को दूसरे दिन भी जारी रही। शनिवार सुबह शुरू हुई जांच में विभाग के अधिकारी लगातार टोल प्लाजा के आय-व्यय से जुड़े रिकॉर्ड खंगालने में जुटे रहे।

सूत्रों के अनुसार, आयकर विभाग की 20 से अधिक अधिकारियों व कर्मचारियों की टीम टोल प्लाजा पर मौजूद है। टोल मैनेजर समेत लेखा-जोखा संभालने वाले कर्मचारियों से घंटों तक गहन पूछताछ की गई। अधिकारियों ने टोल से संबंधित लेनदेन, रसीदों और डिजिटल रिकॉर्ड की विस्तृत जानकारी एकत्र की है। जांच के दौरान टोल प्लाजा के कंट्रोल रूम में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई, वहीं अंदर मौजूद कर्मियों को बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई। बताया जा रहा है कि टोल प्लाजा का संचालन करने वाली कंपनी के मालिक बालकृष्ण रामकरण गोयल के उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में स्थित प्रतिष्ठानों पर भी एक साथ छापेमारी की कार्रवाई चल रही है।

कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डाटा जब्त किए जाने की सूचना है। आयकर विभाग की टीम कंपनी के कारोबार, बड़े लेनदेन और संभावित टैक्स अनियमितताओं से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। वहीं टोल प्लाजा पर तैनात मैनेजर राहुल भदौरिया और सहायक टोल मैनेजर विपिन कौशिक के मोबाइल फोन जब्त कर उनसे पूछताछ की जा रही है। आयकर विभाग की इस कार्रवाई से टोल प्लाजा प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है।

ट्यूबवेल कक्ष में फंदे पर लटका मिला गार्ड

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, पूर्व प्रधान का भतीजा था

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

शिवराजपुर (बिल्हौर)। मुश्ता गांव में निर्माणाधीन पानी की टंकी पर तैनात एक सुरक्षा गार्ड का शव रविवार सुबह ट्यूबवेल की कोठरी में संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। परिजनों ने इसे आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक अभिषेक कटियार (37) शिवराजपुर कस्बे के सती प्रसाद नगर का रहने वाला था। वह मुश्ता गांव के पूर्व प्रधान ज्ञान सिंह कटियार का भतीजा था। अभिषेक खेती के साथ-साथ गांव में बन रही पानी की टंकी पर सुरक्षा गार्ड की जिम्मेदारी निभा रहा था। उसके परिवार में पत्नी अलका और चार वर्षीय पुत्र एकांश है। परिजनों के अनुसार, अभिषेक शनिवार शाम भोजन करने के बाद रोज की तरह ड्यूटी पर गया था। रविवार सुबह ग्रामीणों ने ट्यूबवेल की कोठरी में खिड़की के सहारे गमछे से लटका उसका शव देखा, जिसके बाद परिवार को सूचना दी गई। खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घटना को संदिग्ध बताते हुए हत्या का आरोप लगाया। थानाध्यक्ष वरुण शर्मा ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कमरे में मिला युवक का लटकता शव

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

चौबेपुर/बिल्हौर (कानपुर) मोहम्मदपुर गांव में रविवार सुबह एक युवक का शव उसके कमरे में छत के कुंडे से फंदे के सहारे लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके की जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक 21 वर्षीय अभिषेक खेती-बाड़ी करता था। परिजनों के अनुसार रात में भोजन के बाद वह अपने कमरे में सोने चला गया था। सुबह देर तक बाहर न आने पर परिजनों ने खिड़की से देखा तो उसका शव फंदे से लटका मिला। बीट प्रभारी यशवीर सिंह ने बताया कि फिलहाल परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मंगल भवन में गूंजी शहनाई

पार्षद एसोसियेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 11 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

» इस कार्यक्रम से मंगल भवन में हुई बुकिंग की शुरुआत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। मंगल भवन को लेकर चल रहे तमाम विवादों के बीच रविवार को यहां का नजारा पूरी तरह बदल गया। जहां एक ओर शहनाइयों की मधुर धुन गूंज रही थी, वहीं दूसरी ओर 11 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार के बीच परिणय सूत्र में बंधकर एक-दूसरे के साथ जीवन भर साथ निभाने की कसमें खा रहे थे।

पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से मंगल भवन में आयोजित इस पहले सामूहिक विवाह कार्यक्रम को लेकर सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। वर-वधू पक्ष के लोग सुबह से ही मंगल भवन पहुंचने लगे थे। विवाह से जुड़ी सभी रस्में हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हर्षोल्लास और पारंपरिक विधि-विधान से संपन्न कराई गईं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक अमित पांडे ने की। मुख्य अतिथि के रूप में महापौर प्रमिला पांडे और क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल मौजूद रहे। उनके साथ विधायक सुरेंद्र मैथानी, राज्य मंत्री कमलावती सिंह, एमएलसी सलिल बिश्नोई, एमएलसी अविनाश सिंह चौहान, पनकी महंत कृष्ण दास, शिव शक्ति अखाड़ा के मधुराम शरण सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग समारोह में शामिल हुए।

भव्य समारोह में वरमाला की रस्म के बाद उपस्थित अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। यादगार विवाह समारोह के चलते वर-वधू के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी, वहीं उनके परिजन भी बेहद संतुष्ट नजर आए।

इस अवसर पर महापौर प्रमिला पांडे ने कहा कि उन्हें अत्यंत प्रसन्नता है कि वंचित और जरूरतमंद वर्ग के लिए बनाए गए मंगल भवन में इस तरह का सामाजिक और सार्थक आयोजन संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि मंगल भवन सामाजिक दृष्टि से शहर के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है।

हालांकि मंगल भवन को लेकर राजनीतिक स्तर पर भले ही सवाल उठाए गए हों, लेकिन सामाजिक दृष्टि से यह सामूहिक विवाह समारोह निसंदेह खुशी और सकारात्मक संदेश देने वाला रहा।

कार्यक्रम में पार्षद पवन पांडे, पार्षद आनंद शुक्ला, पार्षद आकर्ष बाजपेई, पार्षद सौरभ देव, पार्षद नीरज गुप्ता, पार्षद नीरज बाजपेई, नीरज रक्सौल, गोविंद शुक्ला समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

अधिकारियों की फाइलों में दब गईं शिकायतें जमीनी हकीकत दिखा रही टूटा पुल

नहर विभाग की लापरवाही से गुलौली गांव का मुख्य संपर्क मार्ग ध्वस्त

टूटी पुलिया दिखाते ग्रामीण

जान जोखिम में डालकर निकलता बाइक सवार

गंदगी का यह आलम है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड के ग्राम पंचायत गुलौली में नहर विभाग की घोर लापरवाही ने एक बार फिर प्रशासनिक दावों की पोल खोल दी है। वर्षों से बिना सफाई के पड़ी नहर और लगातार अनदेखी की शिकार शिकायतों का नतीजा यह हुआ कि गांव के मुख्य मार्ग पर बना पुल टूटकर नहर में समा गया।सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा था? ग्रामीणों के अनुसार नहर में लंबे समय से सिल्ट और कूड़ा जमा था। पानी का प्राकृतिक बहाव बाधित होने से दबाव बढ़ता गया और अंततः पुल ने जवाब दे दिया।

ग्रामीण सुशील मिश्रा, कुंवर सिंह, शिवबरन सिंह, विनोद पाल, महेंद्र, रोहित, अंकित और सुधीर ने बताया कि इस खतरे को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन हर बार शिकायतें कागजों में ही दबा दी गईं।

जब इस संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब मांगा गया, तो जवाबदेही तय करने के बजाय जिम्मेदारी टालने का खेल शुरू हो गया। अधिशासी अभियंता महेंद्र सिंह ने जूनियर इंजीनियर से बात करने की बात कही, जबकि जूनियर इंजीनियर अमित कुमार ने अधिशासी अभियंता से संपर्क करने की सलाह देकर खुद को अलग कर लिया।

ग्रामीणों का आरोप है कि नहर विभाग तब तक नहीं जागेगा, जब तक कोई बड़ा हादसा न हो जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र नहर की सफाई और पुल का पुनर्निर्माण नहीं कराया गया, तो वे उच्चाधिकारियों से शिकायत के साथ सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। सवाल यह है कि जब अधिकारी ही एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते रहेंगे, तो आम जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? पुल टूटने से गुलौली गांव का संपर्क पूरी तरह कट गया है। स्कूली बच्चे जान जोखिम में डालकर वैकल्पिक रास्तों से आने-जाने को मजबूर हैं। किसान अपनी फसल मंडी तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं और आपात स्थिति में एंबुलेंस तक गांव में प्रवेश नहीं कर सकती। इसके बावजूद नहर विभाग की मशीनरी चुप्पी साधे हुए है।

एसआईआर: कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची से वंचित न रहे

» उप जिलाधिकारी सर्वेश कुमार ने रसूलाबाद क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत जिलाधिकारी कानपुर देहात कपिल सिंह के मार्गदर्शन में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में उप जिलाधिकारी सर्वेश कुमार ने रसूलाबाद क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी ने कहिंजरी खुर्द के बूथ संख्या 95, 96 एवं 97 तथा अटिया रायपुर के बूथ संख्या 198 व 199 की मतदाता सूचियों को देखा। इस दौरान उन्होंने सभी बीएलओ को निर्देश दिए

कि पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए फॉर्म-6 को घोषणा पत्र सहित अधिक से अधिक एकत्र किया जाए। कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा पुनरीक्षण कार्य को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण किया जाए।

बहन पर देवर को ब्लैकमेल कर शादी का दबाव बनाने का आरोप

» महिला की शिकायत पर पुलिस ने शुरू की जांच

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपनी ही बहन पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि उसकी बहन उसके देवर, जो भारतीय सेना में कार्यरत हैं, को ब्लैकमेल कर जबरन शादी का दबाव बना रही है। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के अनुसार, उसकी बहन का आचरण संदिग्ध रहा है। रिश्तेदारी के कारण उसकी बहन की उसके देवर से बातचीत शुरू हुई थी, । अब बहन उस पर देवर से शादी का दबाव बना रही है, जबकि देवर पहले से ही विवाहित है।

थाना रूरा प्रभारी ने बताया कि महिला की तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है। कॉल डिटेल, सोशल मीडिया चैट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर तथ्यों की पुष्टि की जाएगी।

रोहित के तूफानी शतक से डेरापुर की टीम ने जीता मैच

पातेपुर की टीम को 82 रन से हराया, मैच की लाइव कमेंट्री का भी हो रहा प्रसारण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील के पुलंदर गांव में श्री दूयूल बाबा क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत रविवार को पातेपुर और डेरापुर की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। शानदार प्रदर्शन करते हुए डेरापुर की टीम ने पातेपुर को 82 रनों से पराजित कर जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पातेपुर की टीम ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। डेरापुर की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 253 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। डेरापुर की ओर से रोहित अरोड़ा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 39 गेंदों में शतक जड़ा और 105 रन बनाए। उनकी आक्रामक पारी से मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और दर्शक झूम उठे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पातेपुर की टीम डेरापुर के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 17 ओवर में 169 रन पर ऑलआउट हो गई। मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए डेरापुर के खिलाड़ी रोहित अरोड़ा को बीडीसी सदस्य अंकित सविता एवं प्रधान प्रतिनिधि वीके तिवारी द्वारा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया। अंपायर राधा किशन, बउआ भदौरिया, स्कोरर,भरत बाजपेई, कमेंटेटर बबलू , अनुज सिंह समेत बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

प्राचीन काली माता मंदिर में दानपात्र तोड़कर हजारों की चोरी

कहिंजरी चौकी क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कहिंजरी चौकी क्षेत्र में बीती रात बेखौफ चोरों ने कस्बा स्थित प्राचीन काली माता मंदिर में दानपात्रों को तोड़ कर हजारों रुपये पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने मंदिर के पीछे बने गेट का ताला तोड़कर आराम से भीतर प्रवेश किया और चोरी के बाद फरार हो गए। सुबह जब मंदिर के माली रामकिशन रोज़ की तरह साफ-सफाई के लिए पहुंचे तो मंदिर का ताला टूटा देख उनके होश उड़ गए। तत्काल उन्होंने मंदिर के पुजारी देवेंद्र तिवारी को सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर पुजारी ने देखा कि दोनों दानपात्र क्षतिग्रस्त हैं और भक्तों द्वारा चढ़ाए गए लगभग 10 हजार रुपये गायब हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद कहिंजरी चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार मिश्रा ने तहरीर मिलने की पुष्टि करते हुए चोरी के जल्द खुलासे का आश्वासन दिया है। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि यह आश्वासन पहले भी कई बार दिया जा चुका है, लेकिन चोरी की घटनाएं नहीं रहीं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । **(समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)** प्रादेशिक कार्यालय :4ए/5,119/10बी, खान बिल्डिंग, पार्क रोड हजरतगंज

साहब! कागजों में बह रहा पानी हकीकत में बूंद-बूंद को तरस रहे

जल जीवन मिशन

दो साल बाद भी अधूरी पड़ी 1.62 करोड़ की पानी टंकी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर जल सपने को जमीनी स्तर पर पलीता लगाने की तस्वीर मलासा ब्लॉक के टोडरपुर ग्राम पंचायत में साफ दिखाई दे रही है। यहां जल जीवन मिशन के तहत बनने वाली पानी की टंकी दो साल बाद भी अधूरी पड़ी है, जबकि कागजों में योजना पूरी होने के दावे किए जा रहे हैं।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अंतर्गत 162.06 लाख रुपये की लागत से टोडरपुर ग्राम पंचायत में पानी टंकी का निर्माण प्रस्तावित था।

निर्माण कार्य 20 मार्च 2023 से शुरू होकर 10 मार्च 2024 तक पूरा किया जाना था, लेकिन तय समय सीमा खत्म होने के बाद भी निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है।सबसे खराब

सूखे पड़ी पानी की लाइन

हालात टोडरपुर के माजरा भज्जापुरवा के हैं, जहां ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए जूझ रहे हैं। गांव में कहीं सूखी टोटियां हैं तो कहीं हैंडपंपों पर लंबी लाइनें लगी रहती हैं। ग्रामीण कादिर खान, शहीम हुसैन, तौसीफ खान, श्याम बाबू सहित अन्य लोगों का कहना है कि हमें बताया गया था कि अब घर-घर नल से पानी आएगा, लेकिन आज भी हैंडपंप ही सहारा हैं। टंकी बनी नहीं और अधिकारी सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं। निर्माण कार्य के नाम पर गांव की सड़कें उखाड़ दी गईं, लेकिन मरम्मत तक नहीं कराई गई। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी के चलते योजना ठप पड़ी है।

क्या बोले अवर अभियंता जल निगम

जल निगम के अवर अभियंता ने बताया है कि शासन से बजट का अभाव चल इसी कारण समस्या उत्पन हो रही है। टंकी का निर्माण कार्य होने के बाद ही टोडरपुर में पानी की सप्लाई आपूर्ति हो पायेगी।
बाकी मजरों में सप्लाई डायरेक्ट आपूर्ति की जा रही है।

खंभे के सपोर्टर में उतरे करंट से युवक की दर्दनाक मौत

» गेहूं की फसल में पानी लगाने गया था युवक, परिवार में मचा कोहराम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। खेत में पानी लगाते समय बिजली के खंभे के सपोर्टर में उतरे करंट की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। घटना रसूलाबाद थाना क्षेत्र के समायु गांव की है।

इस गांव का निवासी शिवकुमार प्रजापति (18) अपने खेत में गेहूं की फसल में पानी लगा रहा था। इसी दौरान खेत के बगल में लगे बिजली के खंभे के सपोर्टर में उतरे करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक शिवकुमार दम तोड़ चुका था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।परिजनों के अनुसार शिवकुमार घर का इकलौता पुत्र था और उसकी दो बहनें हैं। वह पढ़ाई के साथ-साथ खेती के काम में परिवार का हाथ बंटाता था। ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर सवाल उठाते हुए खंभों और सपोर्टरों की जांच कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में बेहतरीन खिलाड़ियों को पुरस्कार

बजरंग दल ने किया आयोजन, युवाओं को नशामुक्त रहने का दिया संदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात माती। कानपुर बजरंग दल के तत्वावधान में आयोजित विराट जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सोमवार को जनकपुरी मैदान में समापन हुआ। प्रतियोगिता में जिले के समस्त ब्लॉकों एवं नगर क्षेत्रों से ब्लॉक व सिटी स्तर पर विजयी रही टीमों ने भाग लेकर अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। यह आयोजन जनपद के खेल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हुआ, जहां मैदान युवा जोश, अनुशासन और प्रतिस्पर्धा की भावना से गूंजता नजर आया।

आयोजन में बजरंग दल के जिला सहसंयोजक हिमांशु सिंह परिहार ने मुख्य अतिथि कमलेश का स्वागत किया।

उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेलों को सामाजिक समरसता, चरित्र निर्माण, अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण का सशक्त माध्यम बताया। आयोजन समिति के अनुसार, प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विजेता टीमों को जिला टॉप टीम के सम्मान से अलंकृत किया गया। यह खेल प्रतियोगिता युवाओं को नशामुक्त, स्वस्थ, अनुशासित और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक के रूप में तैयार करने का सशक्त मंच भी बनी।

पुलिस की अभद्रता से धरने पर बैठे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर पुलिस ने की अभद्रता, भजनों के बीच जारी साधना

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

प्रयागराज।माघ मेले के दौरान मौनी अमावस्या स्नान के लिए प्रयागराज पहुंचे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद वर्तमान में अपने शिविर में धरने पर बैठे हुए हैं। उनके साथ शिष्य एवं समर्थक भी शांतिपूर्वक धरने में सम्मिलित हैं। इस दौरान शिविर में भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है और पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने मौन व्रत धारण कर लिया है। उन्होंने अन्न-जल का त्याग कर दिया है और किसी से भी बातचीत नहीं कर रहे हैं। वे उसी पालकी पर विराजमान हैं

, जिस अवस्था में पुलिस उन्हें छोड़कर गई थी।

शंकराचार्य का कहना है कि जब तक प्रशासन उन्हें ससम्मान और प्रोटोकॉल के साथ संगम स्नान के लिए नहीं ले जाता, तब तक वे धरनास्थल से नहीं उठेंगे और गंगा स्नान नहीं करेंगे।

उल्लेखनीय है कि रविवार को मौनी अमावस्या स्नान के लिए संगम जा रही शंकराचार्य की पालकी को पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। पुलिस द्वारा पैदल संगम जाने का आग्रह किए जाने पर शिष्य असहमत हो गए, जिससे धक्का-मुक्की की स्थिति बनी। इस दौरान कई शिष्यों को हिरासत में लिया गया और एक साधु के साथ मारपीट की घटना भी सामने आई।

घटना से आहत शंकराचार्य ने अपने शिष्यों को छुड़वाने की मांग की। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा समझाने के प्रयास किए गए, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। लगभग 2 घंटे तक गहमा-गहमी का माहौल बना रहा।

बाद में पुलिस द्वारा शंकराचार्य की पालकी को संगम से लगभग 1 किमी दूर ले जाया गया, इस दौरान पालकी का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त भी हो गया। इस घटनाक्रम के चलते शंकराचार्य गंगा स्नान नहीं कर सके।पूरे मामले से आहत शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद अब अपने शिविर में धरने पर बैठकर मौन साधना में लीन हैं। उनके शिष्य इसे आस्था, सम्मान और सनातन परंपराओं से जुड़ा विषय बताते हुए शांतिपूर्ण समर्थन कर रहे हैं।

पतरा में क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच रनिया ने जीता

» पुरस्कार वितरण फाइनल मुकाबले के बाद किया जाएगा

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। सरवनखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पतरा में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सातवें क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन पूर्व ग्राम प्रधान सोनू सिंह चौहान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बडेलाल सिंह चौहान एवं विमल मौर्य ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

उद्घाटन मैच कानपुर एवं रनिया टीमों के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कानपुर टीम ने निर्धारित 12 ओवरों में 105 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रनिया टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11वें ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और उद्घाटन मैच अपने नाम किया। टूर्नामेंट आयोजन में अध्यक्ष सुम्मी सिंह, उपाध्यक्ष जिलेदार सिंह व प्रदीप सिंह, कोषाध्यक्ष अमन सिंह, शिव सिंह सहित कमेटी सदस्य रौनक, विवेक, मोहित, प्रशांत सिंह, कप्तान सिंह, बालू सिंह, बीडीसी हिमेश, लकी सिंह, राजा सिंह, हंसराज सिंह, कप्तान क्रिकेटर अंशु एवं समस्त ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा। आयोजकों द्वारा विजेता टीम को 15 हजार तथा उपविजेता टीम को 7,100 रुपए की पुरस्कार राशि घोषित की गई है। पुरस्कार वितरण फाइनल मुकाबले के उपरांत किया जाएगा।

बुजुर्ग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कानपुर देहात। रनियां कस्बे में सोमवार सुबह एक बुजुर्ग ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक कानपुर नगर के शास्त्रीनगर हंसनगर निवासी 65 वर्षीय विनोद कुमार फ्रांसिस बताया गया है। वह रनियां के केशव नगर मोहल्ले में एक किराए के मकान में रह रहा था। सोमवार सुबह विनोद कुमार फ्रांसिस ने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी।

पूर्व राष्ट्रपति के आगमन पर प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद

डीएम और एसपी ने किया स्वागत, कड़ी सुरक्षा में कार्यक्रम संपन्न

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना भोगनीपुर क्षेत्र के पुखरायां में रविवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद नजर आया। कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा एवं व्यवस्थाएं की गई थीं।

जिलाधिकारी कपिल सिंह और पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने कार्यक्रम स्थल का बारीकी से स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने तैनात पुलिस बल को सतर्क रहते हुए ड्यूटी करने तथा किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि या सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन कैमरे, सीसीटीवी तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से कड़ी निगरानी रखी गई। यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और जनसुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किए गए थे। अधिकारीगण द्वारा लगातार तैयारियों की समीक्षा कर कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखा गया।जिलाधिकारी कपिल सिंह और पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने हेलीपैड पर पहुंचकर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति ने दोनों वरिष्ठ अधिकारियों से जनपद में चल रहे विकास कार्यों, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा कानून व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया।

प्रशासन की सख्त निगरानी और प्रभावी तैयारियों के चलते सुरक्षा व्यवस्था इतनी मजबूत रही कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की कोई गुंजाइश नहीं रही। पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और अनुशासित वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया।

शादी का झांसा देकर बनाया संबंध और फिर हुआ गायब

इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती, बिहार का युवक हुआ फरार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जिले के तारून थाना क्षेत्र से एक मामला सामने आया है, जहां सोशल मीडिया पर शुरू हुई दोस्ती युवती के लिए भरोसेघात और मानसिक पीड़ा में बदल गई। एक युवती ने बिहार निवासी युवक पर शादी का झांसा देकर कई महीनों तक शारीरिक संबंध बनाने और बाद में फरार हो जाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने इस संबंध में तारून थाने में लिखित शिकायत दी है।

पीड़िता के मुताबिक, उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम के जरिए बिहार के मोतिहारी जिले के मटाहरिया निवासी आकाश नामक युवक से हुई थी। शुरुआत में युवती ने बातचीत में खास दिलचस्पी नहीं दिखाई, लेकिन युवक लगातार संपर्क करता रहा। धीरे-धीरे बातचीत बढ़ी और दोनों के बीच नजदीकियां गहराने लगीं। शिकायत में युवती ने बताया कि उसने आकाश के सामने शादी की इच्छा जताई थी, जिस पर युवक ने पहले दूरी और हालात का हवाला देकर इंकार किया। बाद में आकाश स्वयं युवती के गांव पहुंचा, परिजनों से मिला और शादी का भरोसा दिलाया। आरोप है कि इसके बाद वह कई महीनों तक युवती के घर पर रहा और इसी भरोसे के सहारे दोनों पति-पत्नी की तरह साथ रहने लगे।

पीड़िता का कहना है कि युवक कभी-कभी काम का बहाना बनाकर बाहर जाता था और फिर लौट आता था। इस बीच शादी की तारीख तय करने की बातें चल रही थीं, लेकिन अचानक एक दिन युवक घर से निकला और फिर वापस नहीं आया।

युवती द्वारा संपर्क करने पर उसका मोबाइल फोन बंद मिला। खुद को ठगा और अपमानित महसूस करने के बाद पीड़िता ने तारून थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। इस मामले में तारून थानाध्यक्ष संदीप त्रिपाठी ने बताया कि युवती की शिकायत मिली है, लेकिन फिलहाल वह एफआईआर दर्ज नहीं कराना चाहती। युवती की मांग है कि पुलिस युवक का पता लगाकर उसे सामने लाए और दोनों की शादी कराए।

प्रो. के एम सिंह अध्यक्ष व डॉ. बृजेश सिंह बने उपज के महामंत्री

उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट की नई कार्यकारिणी गठित

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) अयोध्या की वार्षिक बैठक फैजाबाद सिविल लाइन स्थित प्रेस क्लब में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से प्रोफेसर कृष्ण मुरारी सिंह को जिला अध्यक्ष तथा डॉ. बृजेश कुमार सिंह को जिला महामंत्री चुना गया। चुनाव प्रक्रिया एनयूजे के राष्ट्रीय महासचिव त्रियुग नारायण तिवारी की देखरेख में पूरी हुई।बैठक को संबोधित करते हुए त्रियुग नारायण तिवारी ने संगठन को मजबूत करने के लिए सदस्यता अभियान चलाने और राम मंदिर निर्माण पूर्ण होने के बाद अयोध्या में राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया।

वरिष्ठ पत्रकारों ने संगठनात्मक मजबूती, पत्रकारों की एकजुटता और पत्रकार हितों से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पत्रकार हित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारी,अध्यक्ष प्रो. कृष्ण मुरारी सिंह,महामंत्री डॉ. बृजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के.के. मिश्रा, संगठन मंत्री समीर शाही, शिवेन्द्र सिंह, मीडिया प्रभारी राजेंद्र दुबे, प्रदीप पाठक, कोषाध्यक्ष डॉ संदीप अग्रवाल व कार्यकारिणी सदस्य पं. जेपी तिवारी, त्रियुग नारायण तिवारी, वी.एन. दास, जयप्रकाश सिंह, कृपाशंकर पांडे, इंदुभूषण पांडे, नाथ बक्स सिंह, ओमप्रकाश सिंह, प्रदीप कुमार पाठक चुने गए। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार जयप्रकाश सिंह, अमित मिश्रा, पवन मिश्रा, राजेश कुमार पांडे, वीर भानु प्रताप सिंह, संजय रस्तोगी सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

नेत्र चिकित्सा शिविर में 865 मरीजों ने कराई जांच

6 दर्जन मोतियाबिंद के रोगी चिन्हित किए गए

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या ।विकासखंड तारुन के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय मतऊ का पुरवा रामपुर अहिरौली में एक बार फिर नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के आयोजक जिला पंचायत सदस्य हरिश्चंद्र निषाद ने बताया कि यह उनका 48वां नेत्र चिकित्सा शिविर है।

शिविर में कुल 865 मरीजों ने पंजीकरण कराकर नेत्र परीक्षण कराया। जांच के उपरांत मरीजों को नि:शुल्क दवाएं एवं चश्मे वितरित किए गए। शिविर के दौरान लगभग 6 दर्जन मोतियाबिंद के मरीज चिन्हित किए गए, जिन्हें ऑपरेशन के लिए अयोध्या आई हॉस्पिटल एंबुलेंस की सहायता से भेजा गया। शेष मरीजों को आवश्यक दवाएं एवं चश्मे दिए गए।

शिविर के आयोजन में अमरनाथ निषाद, बिंदु निषाद, मंसाराम, रणविजय राव, बृजेश कुमार, शीतला प्रसाद, रामचंद्र यादव सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा। नेत्र परीक्षण का कार्य डॉक्टर अभिषेक पांडे, विपिन बिहारी, अमित प्रजापति और कृष्ण शर्मा की टीम द्वारा किया गया।

मुख्य न्यायाधीश ने किया अधिवक्ता एवं न्यायपथ द्वार का लोकार्पण

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने कचहरी परिसर में नवनिर्मित अधिवक्ता एवं न्यायपथ द्वार का लोकार्पण किया। इस दौरान नगर निगम द्वारा निर्मित मल्टीलेवल पार्किंग का निरीक्षण भी किया गया। अधिकारियों ने बताया कि नई पार्किंग से रामपथ पर वाहनों की समस्या से राहत मिलेगी और अधिवक्ताओं व वादकारियों को सुविधा होगी। कार्यक्रम के बाद मुख्य न्यायाधीश ने हनुमानगढ़ी और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन किया।लोकार्पण कार्यक्रम में न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान, प्रशासनिक न्यायाधीश सौरभ लवानिया, जिला जज रणंजय कुमार वर्मा, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

दक्षिणी स्पेन के कोर्डोबा प्रांत में हादसा, मलागा-मैड्रिड रूट पर तबाही

स्पेन में दो हाई-स्पीड ट्रेनों की आमने-सामने टक्कर

अब तक 21 की मौत, 100 से ज्यादा घायल

- एक ट्रेन के पटरी से उतरते ही दूसरी हाई-स्पीड ट्रेन से हुई भिड़ंत
- कई डिब्बे पलटे, राहत-बचाव में सेना और आपात सेवाएं जुटीं
- प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने जताया शोक, जांच के आदेश

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

मैड्रिड/कोर्डोबा (स्पेन)। स्पेन में रविवार शाम एक भीषण रेल हादसे ने पूरे देश को हिला दिया। दक्षिणी स्पेन के कोर्डोबा प्रांत के अदामूज क्षेत्र में दो हाई-स्पीड ट्रेनों की आमने-सामने टक्कर में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक यात्री घायल बताए जा रहे हैं। कई घायलों की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मलागा से मैड्रिड जा रही हाई-स्पीड ट्रेन का एक हिस्सा अचानक पटरी से उतरकर विपरीत ट्रैक पर चला गया, तभी सामने से आ रही दूसरी हाई-स्पीड ट्रेन से उसकी जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रेनों के कई डिब्बे पलट गए और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही रेड क्रॉस, फायर ब्रिगेड, पुलिस और सैन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ यात्रियों को डिब्बों को काटकर बाहर निकाला गया।

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। सरकार ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह दुर्घटना एक सीधे और आधुनिक सिग्नल सिस्टम से लैस ट्रैक पर हुई, जिससे तकनीकी खामी या मानवीय चूक की आशंका पर गहन जांच की जा रही है।

हादसे के बाद मैड्रिड-अंडालुसिया हाई-स्पीड रेल सेवा अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई है। यह दुर्घटना हाल के वर्षों में स्पेन के सबसे बड़े रेल हादसों में से एक मानी जा रही है। उन्नत तकनीक और तेज रफ्तार के बावजूद स्पेन का यह रेल हादसा सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। पूरे देश में शोक का माहौल है और जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

- हादसा स्पेन के कोर्डोबा प्रांत के आदामूज क्षेत्र में हुआ, जो मलागा-मैड्रिड हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का अहम हिस्सा है।
- टक्कर में शामिल दोनों ट्रेनें अत्याधुनिक सिग्नल और सुरक्षा प्रणाली से लैस थीं, फिर भी दुर्घटना ने तकनीकी व्यवस्था पर सवाल खड़े किए।
- प्रारंभिक जांच में एक ट्रेन के पटरी से उतरने को हादसे की वजह माना जा रहा है, जिसके कारण वह विपरीत ट्रैक पर पहुंच गई।
- हादसे के वक्त ट्रेनों की रफ्तार काफी अधिक थी, जिससे डिब्बों के पलटने और जानमाल के भारी नुकसान की स्थिति बनी।
- राहत-बचाव अभियान में सेना, रेड क्रॉस, फायर ब्रिगेड और मेडिकल इमरजेंसी टीमें संयुक्त रूप से जुटीं।
- यह दुर्घटना हाल के वर्षों में स्पेन की सबसे भीषण रेल त्रासदियों में गिनी जा रही है।
- पूरे देश में शोक का माहौल है, कई शहरों में मृतकों को श्रद्धांजलि दी जा रही है।

रि. कर्नल अजय कोठियाल ने गोरखपुर में गोरक्षपीठ के महंत के रूप में सौंपा उपहार

केदारनाथ की पवित्र लकड़ी से रिटायर कर्नल ने योगी के लिए बनवाया आसन

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके गृह राज्य उत्तराखंड से आस्था और परंपरा से जुड़ा एक विशेष उपहार मिला है। केदारनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में इस्तेमाल की गई देवदार की पवित्र लकड़ी से निर्मित एक खास कुर्सी उन्हें भेंट की गई है। यह उपहार राज्य दायित्वधारी और पूर्व सैन्य अधिकारी कर्नल अजय कोठियाल ने मकर संक्रांति के अवसर पर गोरखपुर पहुंचकर गोरक्षपीठ के महंत के रूप में योगी आदित्यनाथ को सौंपा।

रि. कर्नल अजय कोठियाल ने बताया कि केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण के दौरान उपयोग में लाई गई देवदार लकड़ी केवल निर्माण सामग्री नहीं, बल्कि आस्था, संघर्ष और पुनर्निर्माण की प्रतीक है। इसी भावना के साथ शेष बची लकड़ी का उपयोग एक ऐसे उपहार के रूप में करने का निर्णय लिया गया, जो धार्मिक और आध्यात्मिक मूल्यों को दर्शाए। यह विशेष कुर्सी देहरादून जिले के चकराता क्षेत्र के कोटा गांव के परंपरागत काष्ठ कारीगर गजेंद्र मिस्त्री ने तैयार की है। करीब 15 दिन की मेहनत से बनी इस कुर्सी में पहाड़ी शिल्प, सादगी और मजबूती का सुंदर संगम दिखाई देता है। रि. कर्नल कोठियाल ने स्पष्ट किया कि यह कुर्सी मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि गोरक्षपीठ के महंत के रूप में योगी आदित्यनाथ को भेंट की गई है। सीएम योगी ने इस उपहार को सहर्ष स्वीकार करते हुए सराहना की।